AMRIT VICHAR PAGE 2

बीएड दाखिले के लिए विलंब शुल्क के साथ आवेदन शुरू

लखनऊ। दो वर्षीय पाठ्यक्रम बीएड में दाखिले के लिए आवेदन गुरुवार से विलंब शुल्क के साथ शुरू हो गया है। अब छात्रों को आवेदन शुल्क के साथ अतिरिक्त विलंब शुल्क भी देना होगा। इसके लिए सामान्य व पिछड़ा वर्ग और अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों एक हजार रुपये और प्रदेश के अनुसूचित जाति-जनजाति उम्मीदवारों के लिए विलंब शुल्क पांच सौ रुपये निर्धारित किया गया है।

लविवि के जारी कार्यक्रम के अनुसार यूपी बीएड ऑनलाइन फॉर्म 18 फरवरी से 24 मार्च तक और विलंब शुल्क के साथ 31 मार्च तक भरा जा सकेगा। परीक्षा का आयोजन इस बार 19 मई को किया जाना है। यूपी बीएड ऑनलाइन फॉर्म भरते समय यूपी के सामान्य व ओबीसी वर्गों और अन्य राज्यों के उम्मीदवारों को 1500 रुपये का शुल्क ऑनलाइन भरना होगा। वहीं, यूपी के एससी एवं एसटी उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 750 रुपये रखा गया है।

DAINIK JAGRAN PAGE 13

टूटा पिछला रिकार्ड, बीएड में 5,74,960 आवेदन

लखनऊ सहित प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बीएड कोस में दाखिले के लिए गुरुवार को आवेदन फार्म भरने का पिछला रिकार्ड टूट गया। अब तक 5,74,960 अभ्यर्थियों ने फार्म पूरा कर लिया है, जबकि पंजीकरण का आंकड़ा 7,18,469 हजार पहुंच गया। अब बिना लेट फीस आवेदन फार्म भरने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। अभ्यर्थी लेट फीस के साथ 31 मार्च तक आनलाइन फार्म भर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि आवेदन फार्म पूरा करने का आंकड़ा छह लाख तक पहुंच सकता है।

तीन साल में बीएड दाखिले के आवेदन की स्थिति

वर्ष	पंजीकरण	पूर्ण आवेदन	आयोजक विवि
2019	6,10,000	6,09,209	रूहेलखंड विवि
2020	5,50,000	4,31,904	लविवि
2021	7,18,469	5,74,960	लविवि

नोट : वर्ष 2021 में अभी लेट फीस के साथ 31 मार्च तक मौका है।

इसका रखें ध्यान

- आनलाइन फार्म भरने का मौका विलंब शुल्क के साथ : 31 मार्च
- सामान्य और ओबीसी वर्ग के लिए विलंब शुल्क : 500 रुपये
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए विलंब शुल्क : 250 रुपये

प्रमुख तिथियां

- संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा : 19 मई
- प्रवेश परीक्षा के नतीजे जारी होना : 20 से 25 जून
- काउंसिलिंग : जुलाई में प्रस्तावित

फार्म में हुई त्रुटि तो इनमें कर सकते हैं संशोधन

आवेदन पत्र में अभ्यर्थी वर्ग, लिंग, भारांक तथा परीक्षा केंद्र में एक से चार अप्रैल तक संशोधित कर सकते हैं। संशोधित आवेदन पत्र की मूलप्रति एवं छायाप्रति, भविष्य के लिए पास अवश्य सुरक्षित रखनी होगी।

बीएड में इस बार छात्रों का रुझान अच्छा है। अब तक 5,74,960 आवेदन फार्म पूरे हो चुके हैं। पिछले साल की अपेक्षा 1,43,056 आवेदन अधिक हैं। अभी एक सप्ताह विलंब शुल्क के साथ मौका है। पंजीकरण की संख्या 7,18,469 है, इसलिए पूर्ण फार्म भरने का आंकड़ा छह लाख तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रो. अमिता बाजपेयी, बीएड राज्य प्रवेश समन्वयक, लखनऊ विवि

HINDUSTAN PAGE 8

5 लाख से ऊपर पहुंच गया बीएड आवेदन का आंकड़ा

लखनऊ | निज संवाददाता

प्रदेश के बीएड कालेजों में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा में आवेदन का आंकड़ा गुरुवार को 5 लाख 57 हजार से पार हो गया। देर रात तक अभ्यर्थियों ने आवेदन फार्म भरा। जबकि पंजीकरण का आंकड़ा 718469 हजार हो गया। अब बिना लेट फीस आवेदन फार्म भरने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। अभ्यर्थी लेट फीस के साथ 31 मार्च तक आनलाइन फार्म भर सकेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने फरवरी में बीएड में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की थी। बीएड की राज्य प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि 31 मार्च तक सामान्य एवं ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थी तय शुल्क के साथ 500 रुपये लेट फीस के माध्यम से आवेदन फार्म भर सकेंगे। वहीं, अनुसूचित जाति, अनसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए लेट फीस 250 रुपये है।

आवेदन पत्रों में सुधार के लिए एक से चार अप्रैल तक का समय है। यदि किसी वजह से अभ्यर्थियों ने आवेदन फार्म भरने में वर्ग, लिंग, भारांक तथा परीक्षा केन्द्र में त्रुटि की है तो वह आनलाइन संशोधित कर सकेंगे। इसकी सूचना विद्यार्थियों को भेज दी गई है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा 19 मई को होगी। 20 से 25 जून के बीच नतीजे आएंगे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : प्रथम वर्ष की परीक्षा में स्वकेंद्र व्यवस्था संभव

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की 06 मार्च से प्रस्तावित स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा में विद्यार्थियों को स्वकेंद्र (सेल्फ सेंटर) का लाभ मिल सकता है। विश्वविद्यालय प्रशासन कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह व्यवस्था प्रभावी करने की कवायद कर रहा है। एक-दो दिन में सेंटर लिस्ट जारी होनी है।

विवि की ओर से हाल में स्नातक प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर का विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसके अनुसार परीक्षाएं 06 मार्च से प्रस्तावित की गई हैं। जबकि इस बीच तेजी से कोरोना संक्रमण भी बढ़ने लगा है, जिसे देखते हुए शासन की ओर से 25 मार्च से 31 मार्च तक ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि इस बीच तीन दिन का होली अवकाश भी है। मगर विवि प्रशासन कोरोना संक्रमण से बचाव के मद्देनजर उक्त व्यवस्था प्रभावी बनाने जा रहा है। परीक्षा से जुड़े अधिकारियों के अनुसार कॉलेजों के पास विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त क्लास रूम हैं, जिसमें वे कोविड प्रोटोकॉल के तहत परीक्षाओं का आयोजन कर सकते हैं। जबकि किसी अन्य कॉलेज में विद्यार्थियों को भेजने पर इसमें दिक्कत हो सकती है। ऐसे में सेल्फ सेंटर पर विचार किया जा रहा है। जल्द ही इस पर निर्णय लेकर सेंटर लिस्ट जारी की जाएगी।

बीएससी प्रैक्टिकल 03 अप्रैल को

लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग में बीएससी तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के छूटे हुए विद्यार्थियों व बीएससी तीसरे सेमेस्टर वार्षिक पैटर्न के विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा 03 अप्रैल को आहूत की गई है। विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक प्रसाद के अनुसार छूटे हुए विद्यार्थियों को 500 रुपये शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। इसी तरह वार्षिक पैटर्न के विद्यार्थी भी शुल्क जमा कर विभाग से फॉरवर्ड करवाकर 01 अप्रैल तक आवेदन जमा करें।

'कर्म योग' से कमाई के इच्छुक हैं विद्यार्थी

कर्मयोगी छात्रवृत्ति योजना के तहत अब तक 550 से अधिक आ चुके हैं आवेदन, तीन महीने काम और 15 हजार रुपये मिलेगा स्टाइपेंड

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विवि के विद्यार्थी अपने कर्मयोग से कमाई के इच्छुक हैं। यही वजह है कि विश्वविद्यालय द्वारा हाल में घोषित 'कर्मयोगी छात्रवृत्ति योजना' के तहत अब तक 550 से अधिक आवेदन आ चुके हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही इन आवेदनों की स्क्रूटनी कर इंटरव्यू के लिए छात्रों का चयन करेगा। विश्वविद्यालय ने पिछले दिनों पढ़ाई के साथ कमाई के लिए कर्मयोगी छात्रवृत्ति योजना की शुरुआत की थी, जिसके तहत पढ़ाई के साथ विद्यार्थी को निर्धारित विभाग में कुछ घंटे काम करना होगा, जिसकी एवज में उन्हें अधिकतम 15 हजार रुपये छात्रवृत्ति दी जाएगी। एक साल में चयनित विद्यार्थी को 3 महीने काम करने का मौका दिया जाएगा। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि प्रथम चरण में द्वितीय व तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को वरीयता दी जाएगी। प्रथम वर्ष के विद्यार्थी शॉट लिस्ट कर लिए गए हैं, लेकिन अभी उन्हें इसका लाभ कम अनुभव की वजह से नहीं दे रहे हैं। दूसरा अभी उनकी छात्रवृत्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

नाम बदलने का मिला फायदा

प्रो. टंडन ने बताया कि पूर्व में योजना पुअर ब्वॉयज फंड के नाम से चलती थी। इसकी योग्यता भी लगभग वही थी, किंतु सिर्फ इस योजना का नाम बदलने मात्र से काफी संख्या में विद्यार्थियों ने इसमें रुचि दिखाई है। जबकि पूर्व में बिना काम किए छात्रवृत्ति मिलने का प्रस्ताव था। हमारे विद्यार्थी काम करके छात्रवृत्ति लेने के इच्छुक हैं, यह अच्छी बात है।

ये हैं योग्यता

60% अंक के साथ जिन छात्रों के अभिभावकों की आय 3 लाख से अधिक न हो। साथ ही कोई अन्य छात्रवृत्ति न मिलती हो, ऐसे छात्र योजना में आवेदन कर सकते हैं।

विभागों से मांगी उनकी जरूरत

प्रो. टंडन ने बताया कि कुलपति कार्यालय, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक आदि कार्यालयों, रिसर्च सेल, हैप्पी थिंकिंग लैब, वूमेन स्टडीज, न्यू कैंपस स्थित प्लेसमेंट सेल आदि से उनकी जरूरत पूछी गई है। विभागों से उनकी जरूरत मिलने पर विद्यार्थियों को काम करने का अवसर दिया जाएगा। प्रथम चरण में लगभग 50 विद्यार्थियों को अवसर मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि जैसे लाइब्रेरी, प्रशासनिक कार्यालय में अगर स्टाफ टेक्नो सेवी नहीं है तो यह विद्यार्थी उनका कंप्यूटर आदि से जुड़ा काम कर सकेंगे।

विवि-कॉलेजों में परीक्षा जारी, क्लास में सन्नाटा

लखनऊ। कोरोना संक्रमण का बढ़ता दायरा और होली करीब होने का असर राजधानी के कैंपसों पर बृहस्पतिवार से दिखने लगा है। शासन के निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त कॉलेजों में अधिकतर जगह अघोषित अवकाश जैसा माहौल दिखा। कुछ जगह पर परीक्षाएं चल रही हैं। इसकी वजह से हॉस्टल नहीं खाली कराए जा रहे हैं। विद्यार्थी जैसे-जैसे परीक्षा समाप्त होती जा रही है, वे अपने घर जा रहे हैं।

कोविड प्रोटोकॉल के तहत ऑफलाइन कक्षाएं हुईं बंद

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए शासन ने 25 से 31 मार्च तक छुट्टियों को छोड़कर ऑनलाइन क्लास लेने का निर्देश दिया है, जिसका असर बृहस्पतिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में दिखा। यहां क्लास में पूरी तरह सन्नाटा पसर रहा। जिन विद्यार्थियों की परीक्षा समाप्त हो गई, उन्होंने अपने दोस्तों के साथ होली खेली और गुरुजनों से आशीर्वाद लेकर अपने घर को रवाना हुए। यहां परीक्षाएं 27 मार्च तक चलेंगी। कमोवेश यही स्थिति कॉलेजों की भी रही। वहां भी परीक्षाओं को छोड़कर कैंपस सूने हो गए हैं, जबकि होली की छुट्टियां रविवार से होनी हैं। विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य जिलों के निवासी शिक्षक-अधिकारी भी अपने घरों को रवाना होना शुरू हो गए हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)